सामाजिक विज्ञान

(भूगोल)

अध्याय-7: मानवीय पर्यावरण बस्तियाँ, परिवहन एवं संचार

SHIVOM CLASSES 8696608541

'प्रारंभिक मानव'

भोजन, वस्त्र एवं आवास के लिए पूर्ण रूप से प्रकृति पर निर्भर था ; लेकिन समय के साथ नए कौशल विकसित करके खाद्य पदार्थो, घर बनाने, यातायात एवं संचार के बेहतर साधनों का विकास किया।

वह वृक्षों एवं गुफाओं में निवास करते थे। जब उन्होंने फ़सले उगाना आंरभ किया तो उनके लिए एक जगह स्थायी घर बनाना आवश्यक हो गया। बस्तियों का विकास नदी घाटियों के निकट हुआ, क्योंकि वहाँ पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध तह एवं भूमि उपजाऊ।

व्यापार, वाणिज्य एवं विनिर्माण के विकास के साथ ही मानव बस्तियाँ बड़ी होती गई। नदी घाटी के निकट बस्ती पनपने लगीं एवं सभ्यता का विकास हुआ। सिंधु घाटी (सिंधु नदी), मेसोपोटामिया (टिगरिस), मिस्र सभ्यता (नील नदी), नदियों के किनारे विकसित हुई।

बस्तियाँ

बस्तियाँ, वे स्थान हैं जहाँ लोग अपने लिए घर बनाते हैं। प्रारंभिक मनुष्य वृक्षों एवं गुफाओं में निवास करते थे। जब उन्होंने फसलें उगाना आरंभ किया, तो उनके लिए एक जगह स्थायी घर बनाना आवश्यक हो गया। बस्तियों का विकास नदी घाटियों के निकट हुआ, क्योंकि वहाँ पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध था एवं भूमि उपजाऊ थी। व्यापार, वाणिज्य एवं विनिर्माण के विकास के साथ ही मानव बस्तियाँ बड़ी होती गईं। नदी घाटी के निकट बस्ती पनपने लगीं एवं सभ्यता का विकास हुआ।

बस्तियो के प्रकार

बस्तियां स्थायी या अस्थायी हो सकती हैं। जो बस्तियाँ कुछ समय के लिए बनाई जाती हैं, उन्हें अस्थायी बस्तियाँ कहते हैं। घने जंगलों, गर्म एवं ठंडे रेगिस्तानों तथा पर्वतों के निवासी अक्सर अस्थायी बस्तियों में रहते है। वे आखेट, संग्रहण, स्थानांतरी कृषि एवं ऋतु-प्रवास करते हैं। यद्यपि अधिकांश बस्तियाँ आज स्थायी बस्तियाँ हैं। इन बस्तियों में लोग रहने के लिए घर बनाते हैं।

लोगों के मौसमी आवागमन को ऋतु-प्रवास कहते हैं। जो लोग पशु पालते हैं, वे मौसम में परिवर्तन के अनुसार नए चरागाहों की खोज में निकल जाते हैं।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

गाँव:- ग्रामीण बस्ती होती है ; जहाँ लोग कृषि, मत्स्य पालन, वानिकी, दस्तकारी एवं पशुपालन संबंधी कार्य करते हैं।

सघन बस्ती:- घर पास-पास बने होते हैं।

प्रकीर्ण बस्ती:- घर दूर-दूर बने होते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों, घने जंगल, अतिविषम जलवायु वाले क्षेत्र।

मनुष्य ने अपने आवास वातावरण के अनुकूल बनाया।

ग्रमीण क्षेत्रों में लोग अपने पर्यावरण क अनुकूल घर बनाते हैं।अत्यधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में ढाल वाली छत बनाते हैं। जिन स्थानों में वर्षा के समय जल का जमाव होता है, वहाँ ऊँचे प्लेटफॉर्म अथवा स्टिल्ट पर घर बनाए जाते हैं। गर्म जलवायु वाले क्षेत्रों में मिट्टी को मोटी दीवार वाले घर पाए जाते हैं, जिनकी छतें फूस की बनी होती हैं।

परिवहन

परिवहन शब्द संस्कृत के "वह" धातु से मिलकर बना हुआ है जिसका अर्थ "वहन" से है तथा 'परि" उपसर्ग जोड़कर परिवहन शब्द का अर्थ लगाया जाता है जिसका शाब्दिक अर्थ भार को वहन करना है। इसके अलावा कंधे से उठाकर ले जाना या सिर पर वहन करने जैसे भावार्थ लगाया जाता है। परिवहन में यांत्रिकी के प्रयोग से भी लगाया जाता है। जैसे साइकिल का प्रयोग करना, चार पहिये, छः या दस पहिये का प्रयोग करना भी होता है, यह परिवहन सड़क मार्ग द्वारा संचालित किये जाते हैं। इसके साथ ही रेल या ट्रेन जिसे संस्कृत में लौह पथ गामिनी के नाम से भी जाना जाता है। वायुयान या जलयान भी परिवहन का प्रकार है।

परिवहन का अर्थ उन गतिविधियों से है, जिनके अंतर्गत सामान और व्यक्तियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने-ले जाने में सहायता मिलती है। व्यवसाय में इसको एक सहायक क्रिया के रूप में माना जाता है, जो कच्चे माल को उत्पादन के स्थान तक और तैयार समान को उपभोग/बिक्री के लिए लोगों तक पहुँचाने में व्यापार और उद्योग की सहायता करती है। जो व्यक्ति अथवा व्यावसायिक इकाइयाँ इस गतिविधि में लगी हैं, उन्हें ट्रांसपोर्टर कहा जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ट्रांसपोर्टर कच्चे माल, तैयार सामान, व्यक्तियों आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं।

परिवहन का महत्व

ऊपर हम विचार विमर्श कर चुके हैं कि परिवहन, दूरी की बाध को समाप्त कर देता है, क्योंकि आजकल एक स्थान पर बनाई गई (तैयार की गई) वस्तु अलग-अलग स्थानों पर उपलब्ध हो जाती है। चाहे पूरे संसार में दूरी जितनी भी हो। बिना परिवहन के कोई भी व्यापार एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकता है।

1. निर्माताओं और उत्पादकों को कच्चा माल उपलब्ध कराना : परिवहन के माध्यम से ही कच्चे माल को उसके उपलब्ध् होने के स्थानों से उन स्थानों तक ले जाना संभव हो पाता है, जहाँ उसे संसाध्ति तथा एकित्रत करके उससे अर्(निर्मित अथवा पूर्णत: निर्मित वस्तुएँ तैयार की जाती हैं।
2. उपभोक्ताओं को वस्तुएं उपलब्ध कराना : परिवहन की सहायता से वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक बड़ी आसानी और तेजी से पहुंचाया जा सकता है। इस प्रकार दूर-दराज के स्थानों पर तैयार सामान देश के विभिन्न क्षेत्रों में पैफले उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग किया जा सकता है।
3. लोगों का जीवन-स्तर बेहतर बनाना : परिवहन-साध्नों की सहायता से कम लागत में बड़े पैमाने पर सामान का उत्पादन होता है। इससे लोगों में अपनी पसंद का और अलग-अलग कीमत वाला बढ़िया किस्म का सामान खरीदने की इच्छा जागती है। इससे लोगों का जीवन-स्तर ऊँचा उठता है।
4. कम लागत मेंं अध्कि उत्पादन को सुविधजनक बनाता है : हम जानत े है कि बड़े पैमाने पर उत्पादन सदा हमारी पसंद के स्थान पर होना सम्भव नहीं है, क्योंकि इसके लिए बड़े बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है, विशेषत: जमीन की, जो आसानी से हर जगह उपलब्ध् नहीं होती है। परन्तु परिवहन, सुगमता से मानव शक्ति एवं आवश्यक कच्चा माल विनिर्माण के लिए अंतिम रूप से चयनित स्थान पर उपलब्ध करा देता है। बड़े पैमाने पर उत्पादन से प्रति इकाई लागत कम आती है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. आपातकाल और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में सहायता पहुँचाना : यु(या आंतरिक गड़बड़ी (अशांति) जैसी राष्ट्रीय संकट की स्थिति में परिवहन सशस्त्रा सेनाओं और उनके लिए जरूरी सामान को शीघ्रता से संकट के स्थान पर पहुंचाने में मदद करता है।
6. रोजगार सृजन मेंं सहायता करना : परिवहन से लोगों को ड्राइवर, कंडक्टर, पायलट, विमान कर्मचारी, समुद्री जहाज के कैप्टन आदि के पदों पर रोजगार मिलता है। इन लोगों को परिवहन व्यवसाय में प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलता है। इसके अलावा कुछ लोगों को परिवहन से अप्रत्यक्ष रूप से भी रोजगार मिलता है जैसे परिवहन के विभिन्न साधनों और परिवहन के उपकरणों का निर्माण करने वाले कारखानों में लोगों को काम मिलता है। लोग परिवहन के साधनों की मरम्मत और रख-रखाव के लिए सुविधाजनक स्थानों पर सर्विस सेंटर भी खोल सकते हैं।
7. मजदूरों की गतिशीलता में सहायता : परिवहन सुविधाएँ मजदूरों को कार्य के स्थानों तक पहुँचाने में बहुत मदद करती हैं। आपको मालूम होगा कि दूसरे देशों के उद्योगों और कारखानों में काम करने के लिए हमारे देश से लोग दूसरे देश जाते हैं और विदेशी भी हमारे देश में कार्य करने के लिए आते हैं। देश में भी लोग रोजगार की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। साथ ही यह हमेशा संभव नहीं होता कि कारखाने के आस-पास से ही मजदूर मिल जाए। अधिकांश उद्योगों में लोगों को उनके निवास स्थान से कार्य स्थल तक लाने ले जाने के लिए परिवहन की अपनी व्यवस्था है।
8. राष्ट्रों को निकट लाने में सहायता : परिवहन से लोगों तथा माल के एक देश से दूसरे देश में आवागमन में सहायता मिलती है। इससे विभिन्न देशों के लोगों में संस्कृति, विचारों और रीति रिवाजों का आदान-प्रदान होता है। इससे लोगों में अन्य देशों के बारे में बेहतर समझ तथा ज्ञान उत्पन्न होता है। इस प्रकार परिवहन अंतर्राष्ट्रीय भाईचारा बढ़ाने में सहायता करता है।

परिवहन के माध्यम

मोटर सायकल, ट्रक, बस, कार, जीप में बैठकर एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए हमें सड़क मार्ग की आवश्यकता होती है। रेलगाड़ी और मालगाड़ियां रेल की पटरियों पर ही दौड़ती हैं। जल मार्ग से जाने के लिए हम नौका, स्टीमर, जलयान का उपयोग करते है, उसी

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रकार हेलीकाप्टर और हवाई जहाज के लिए हवा की आवश्यकता होती है। अत: परिवहन के सभी साधनों के लिए एक माध्यम विशेष की आवश्यकता होती है। परिवहन के माध्यम है-

1. सड़क परिवहन
2. रेल परिवहन
3. जल परिवहन
4. वायु परिवहन,

1. सड़क परिवहन -

सड़क मार्ग से परिवहन जानवरों के द्वारा (घोड़े, ऊँट, गधे) जानवरों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों तथा मोटर वाहन (वैन, ट्रक आदि) से किया जाता है। जानवर तथा जानवरों के द्वारा खींचे जाने वाले वाहन का उपयोग कम मात्रा में गांवों तक ही सीमित है। वैन शहर के भीतर स्थानीय परिवहन के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। अधिकांश माल ट्रकों के द्वारा ढोया जाता है जो सुगम, कम खर्चीले तथा सुरक्षित माने जाते हैं।

2. रेल परिवहन -

रेल परिवहन से अभिप्राय यात्रियों एवं माल का रेलगाड़ी के माध्यम से आवागमन से है जो इसी उद्देश्य से बिछाई गई रेल की पटरियों पर चलती हैं। दूर स्थानों में ले जाने की क्षमता की दृष्टि से रेल परिवहन कम खर्चीला एवं सुरक्षित है। भारत में रेल परिवहन भारत सरकार के स्वामित्व में है तथा माल के परिवहन में इसका बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. जल परिवहन –

जल परिवहन से अभिप्राय माल एवं यात्रियों को जल मार्ग से लाने व ले जाने से है। जिसमें बोट, स्टीमर, लॉच, जहाज आदि के माध्यमों को उपयोग में लाया जाता है। यह संचालन देश के भीतर अथवा एक देश से दूसरे देश मे हो सकता है। भारत में परिवहन के इस साधन का उपयोग कम है क्योंकि देश के भीतर जलमार्ग सीमित हैं। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए समुद्र एवं महासागर से परिवहन तटवर्ती क्षेत्रों में बहुत सामान्य है। परिवहन का यह माध्यम लम्बी दूरी तक भारी माल को ले जाने के लिए कम खर्चीला है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

4. वायु (हवाई) परिवहन -

माल लाने ले जाने एवं व्यक्तियों के आने जाने के लिए हवाई जहाज के उपयोग को वायु परिवहन कहते हैं। यह परिवहन का सबसे तेज गति वाला माध्यम है तथा इसका अधिकांश उपयोग यात्रियों को लाने, ले जाने के लिए होता है। जहां तक वस्तुओं का सम्बन्ध है वायु परिवहन का प्रयोग उच्चमूल्य वाली हल्की वस्तुओं के लिए होता हैं जैसे कि दवाए, मशीन के पुर्जे, इलैक्ट्रोनिक सामान आदि। बड़े माल वाहक हवाई जहाजों की व्यवस्था के कारण अब माल ढोनें के लिए हवाई परिवहन का उपयोग देश के भीतर एवं विदेशी व्यापार के लिए काफी बढ़ गया है।

संचार

संचार दूसरों के पास तक सूचना पहुँचाने की प्रक्रिया है। तकनीकी विकास के साथ मानव ने संचार के नए एवं तीव्र साध्नों को विकसित कर लिया है।

संचार के क्षेत्र में विकास से विश्व में सूचना क्रांति आई है। सूचना प्रदान करने के लिए शिक्षा तथा मनोरंजन के लिए संचार के विभिन्न साधनो का उपयोग होता है। समाचारपत्रों, रेडियो एवं टेलीविजन के द्वारा हम बड़ी संख्या में लोगों के साथ संचार कर सकते हैं। इसलिए इनको जनसंपक माध्यम कहते हैं। सेटेलाइट से संचार में तीव्रता आई है। तेल की खोज, वनों का सर्वेक्षण, भूमिगत जल, खनिज संपदा, मौसम पूर्वानुमान एवं आपदा पूर्व चेतावनी आदि में सेटेलाइट सहायक होते हैं। अब हम इंटरनेट के माध्यम से इलेट्रोनिक मेल या ई-मेल भेज

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सकते हैं। आज सेल्युलर फोन के द्वारा बेतार टेलिपफोनिक संचार अत्याधिक लोकप्रिय हो चुका है। इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर में केवल सूचना एवं परस्पर समीपता ही नहीं मिलती, अपितु इनसे हमारा जीवन अधिक सुखमय भी बन गया है। अब हम घर बैठे ही रेल, हवाईजहाज एवं सिनेमा या होटल तक के लिए टिकट आरक्षित करवा सकते हैं। संपूर्ण विश्व में इस प्रकार लोगों के बीच, लोगों एवं सेवाओं तथा संस्थाओं केबीच तीव्र गति से आपसी सम्पर्क संभव होने के कारण आज हम एक बृहद् विश्व समाज के रूप में विकसित हो रहे हैं।

SHIVOM CLASSES
8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 54)

प्रश्न 1 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. परिवहन के चार प्रकार क्या है ?
2. बस्ती से आप क्या समझते है ?
3. ग्रामीण लोगों के क्रियाकलाप क्या है ?
4. रेलमार्ग के किन्हीं दो गुणों के बारे में बताएं ?
5. संचार से आप क्या समझते है ?
6. संचार से आप क्या समझते है ?

उत्तर –

1. परिवहन लोगों एवं सामान के आवागमन के साधन होते हैं। पुराने समय में अधिक दूरी की यात्रा करने में अत्यधिक समय लगता था। उस समय लोग पैदल चलते थे एवं अपने सामान को ढ़ोने के लिए पशुओं का उपयोग करते थे। पहिए की खोज से परिवहन आसान हो गया। समय के साथ परिवहन के विभिन्न साधनों का विकास होता गया, लेकिन आज भी लोग परिवहन के लिए पशुओं का उपयोग करते हैं। परिवहन के आधुनिक साधन समय एवं ऊर्जा की बचत करते हैं। परिवहन के चार मुख्य साधन हैं – सड़कमार्ग, रेलमार्ग, जलमार्ग एवं वायुमार्ग।
2. बस्तियाँ, वे स्थान है जहाँ लोग अपने लिए घर बनाते हैं। पहले मनुष्य वृक्षों एवं गुफाओं में निवास करते थे। जब उन्होंने फसलें उगाना शुरू किया, तो उनके लिए एक जगह स्थायी घर बनाना आवश्यक हो गया। बस्तियों का विकास नदी घाटियों के निकट हुआ, क्योंकि वहाँ पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध था एवं भूमि उपजाऊ थी। व्यापार, वाणिज्य एवं विनिर्माण विकास के साथ ही मानव बस्तियाँ बड़ी होती गई। नदी घाटी के निकट बस्ती पनपने लगी एवं सभ्यता का विकास हुआ। बस्तियाँ स्थायी या अस्थायी हो सकती हैं। जो बस्तियाँ कुछ

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

समय लिए बनाई जाती है, उन्हें अस्थायी बस्तियाँ कहते हैं। यद्यपि अधिकांश बस्तियाँ आज स्थायी बस्तियां हैं। इन बस्तियों में लोग रहने के लिए घर बनाते हैं।

3. ग्रामीण बस्तियों में लोग कृषि, मत्स्य पालन वानिकी, दस्तकारी एवं पशुपालन संबंधी कार्य करते हैं। ग्रामीण बस्ती सघन या प्रकीर्ण हो सकती हैं। सघन बस्तियों में घर पास – पास बने होते हैं। प्रकीर्ण बस्तियों में लोगों के घर दूर – दूर व्यापक क्षेत्र में फैले होते हैं।
4. रेलमार्ग के द्वारा तीव्रता से एवं कम खर्च में लोगों का आवागमन एवं भारी सामान को ढोने का कार्य होता है। सुपरफास्ट रेलगाड़ियों से परिवहन की गति और तीव्र हो गई है। मैदानी भागों में रेलमार्गों का जाल व्यापक रूप से फैला है ।
5. संचार दूसरों के पास तक सूचना पहुँचाने की प्रक्रिया है। तकनीकी विकास के साथ मानव ने संचार के नए एवं तीव्र साधनों को विकसित कर लिया है। संचार के क्षेत्र में विकास से विश्व में सूचना क्रांति आई है। सूचना प्रदान करने के लिए शिक्षा तथा मनोरंजन के लिए संचार के विभिन्न साधनों का उपयोग होता है। समाचारपत्रों , रेडियो एवं टेलीविजन के द्वारा हम बड़ी संख्या में लोगों के साथ संचार कर सकते है इसलिए इनको जनसंपर्क माध्यम कहते है। सेटेलाइट से संचार में तीव्रता आई है। अब हम इंटरनेट के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मेल या ई – मेल भेज सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर में केवल सूचना एवं परस्पर समीपता ही नहीं मिलती, अपितु इनसे हमारा जीवन अधिक सुखमय भी बन गया है। अब हम घर बैठे ही रेल, हवाईजहाज एवं सिनेमा या होटल तक के लिए टिकट आरक्षित करवा सकते हैं। संपूर्ण विश्व में इस प्रकार लोगों के बीच, लोगों एवं सेवाओं तथा संस्थाओं के बीच तीव्र गति से आपसी संपर्क समय होने के कारण आज हम एक विश्व समाज के रूप में विकसित हो रहे हैं।
6. जिन संचार के साधनों द्वारा हम अधिक लोगों तक संदेश को पहुँचा सकते हैं, उन्हें जनसंपर्क माध्यम कहते हैं। रेडियो, टेलीविजन, समाचार – पत्र एवं पत्रिकाएँ जनसंपर्क माध्यम हैं।

प्रश्न 2 सही (√) उत्तर चिन्हित कीजिए:-

1. इनमें से कौन – सा संचार का साधन नहीं है
   (i) टेलीफोन (ii) पुस्तक (iii) मेज

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. इनमें से कौन – सा सड़क का भूमिगत निर्माण है

(i) फ्लाईओवर (ii) एक्सप्रेस वे (iii) सब वे

3. किसी द्वीप पर पहुँचने के लिए निम्न में से कौन – सा यातायात का साधन उपयुक्त है

(i) ज़हाज (ii) रेलगाड़ी (iii) कार

4. यातायात का कौन – सा साधन पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करता है।

(i) साइकिल (ii) बस (iii) हवाईजहाज़

उत्तर –

1. मेज
2. सब वे
3. ज़हाज
4. साईकिल

प्रश्न 3 निम्नलिखित स्तंभों को मिलाकर सही जोड़ें बनाइए :-

(क) इंटरनेट	(i) क्षेत्र जहाँ लोग उत्पादन ,एवं सेवा क्षेत्र में कार्य करते है
(ख) नहर मार्ग	(ii) आस – पास निर्मित घरों वाले क्षेत्र
(ग) नगरीय क्षेत्र	(iii) स्टिल्ट पर मकान
(घ) सघन बस्ती	(iv) अंतर्देशीय जलमार्ग
	(v) संचार का एक साधन

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(क) इंटरनेट (v) संचार का एक साधन

(ख) नहर मार्ग (iv) अंतर्देशीय जलमार्ग

(ग) नगरीय क्षेत्र (i) क्षेत्र जहाँ लोग उत्पादन एवं सेवा क्षेत्र में कार्य करते है

(घ) सघन बस्ती (ii) आस – पास निर्मित घरों वाले क्षेत्र

प्रश्न 4 कारण बताइए :-

1. आज विश्व सिमटता जा रहा है ।

उत्तर –

1. आज विश्व में परिवहन के तीव्रगामी साधन हैं , जिनसे कुछ ही समय में दूर – दूर तक जाया जा सकता है । हम प्रातः दिल्ली से नाश्ता लेकर लंदन में दोपहर का भोजन कर सकते हैं ।

2. संचार के साधनों ने विश्व को और समीप ला दिया है । विश्व के किसी भी कोने में होने वाला खेल हम सीधा देख सकते हैं ।

3. किसी भी एक देश में होने वाली घटना का एक बार में तुरंत पता चल जाता है ।

प्रश्न 5 क्रियाकलाप:-

1. अपने स्थानीय क्षेत्र में एक सर्वेक्षण करें एवं देखें कि लोग अपने कार्यस्थलों पर जाने के लिए कितने साधनों का उपयोग करते हैं ?

(i) परिवहन के दो से अधिक साधन ।

(ii) परिवहन के तीन से अधिक साधन।

(iii) पैदल तय की जाने वाली दूरी में ही रहते हैं।

2. निम्नलिखित परिस्थितियों में आप संचार के किस साधन को प्राथमिकता देंगे ?

1. आपके दादाजी अचानक बीमार पड़ गए । आप डॉक्टर को कैस सूचित करेंगे ?

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. आपकी माँ पुराने घर को बेचना चाहती है । आप इस समाचार को दूसरों तक कैसे पहुंचाएंगे?
3. आप अपने चचेरे भाई के विवाह में सम्मिलित होने जा रहे हैं, जिसके कारण आप अगले दो दिन तक स्कूल से अनुपस्थित रहेंगे। आप अपने शिक्षक को कैसे सूचित करेंगे ?
4. आपका मित्र अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क घूमने जा रहा है । आप उसके साथ प्रतिदिन कैसे संपर्क में रहेंगे ?

उत्तर –

1. कई लोग अपने कार्यस्थल ओर जाने के लिए दो साधनों का प्रयोग करते है जैसे कि जिसके काम करने की जगह दूर है इसलिए उसे पहले सड़क मार्ग और और फिर रेल या बस मार्ग का साधन लेना पड़े उसी प्रकार पहले घर से बाइक फिर बस और फिर रेल मार्ग अपनाना पड़े। और कई ऐसे लोग होते है जिनका कार्यस्थल ज्यादा दूर ना हो और वे पैदल अपनी दूरी तय कर सके।
2.
   - हम डॉक्टर को फोन के माध्यम से सूचित करेंगे।
   - इसके लिए हम कई सारे चैनेल पर या समाचार पत्र द्वारा प्रदशन कर सकते है।
   - हम अपने शिक्षक को छुट्टी के लिए एक प्रार्थना पत्र लिखेंगे।
   - हम इंटरनेट द्वारा अपने मित्र से संपर्क में रह सकते है, जैसे:- फेसबुक, इंस्टाग्राम इत्यादि।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)